फर्द अहकाम

(नियम 20)

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुक्म की तामील जारी हुए
27.10.23	पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उप०। P.O. साहब बाहर पधारे हैं। पत्रावली वास्ते 1 के जवाब व प्रतिवादी 4 का मृत्यु प्रमाण पत्र व प्रतिवादी 2,5 की तलबी दिनांक 8.1.24 को पेश हो। [initials]	
8.1.24	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उप०। P.O. साहब बाहर पधारे हैं। पत्रावली वास्ते 1 के जवाब व प्रतिवादी 4 का मृत्यु प्रमाण पत्र व प्रतिवादी 2,5 की तलबी दिनांक 20.2.24 को पेश हो। [initials]	
20.2.24	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उप०। P.O. साहब बाहर पधारे हैं। पत्रावली वास्ते 1 के जवाब व प्रतिवादी 4 का मृत्यु प्रमाण पत्र व प्रतिवादी 2,5 की तलबी दिनांक 2-4-24 को पेश हो।	
23.2.24	पत्रावली वादी के प्रार्थना पत्र पेश करने से आज पेश हुई। वादी ने प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रकरण में आगामी दिनांक 2-4-24 नियत है। [illegible] हैं और [illegible] है। वादी [illegible] प्रार्थना पत्र [illegible] गया। अवलोकन किया गया।	रवि मवीश

Signature Not Verified

Digitally signed by Pooja Meena
Date: 2024.02.28 15:49:20 IST
Reason: SelfAttested

CamScanner

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स
	वादीगण प्रार्थना पत्र अनुसार प्रकरण निस्तारण उचित होगा वादीगण प्रार्थना पत्र के आधार पर प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। उक्त प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रकरण में आगे कार्यवाही करना अपेक्षित नहीं होने से इसी स्तर पर निस्तारित किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। (हस्ताक्षर) उपखण्ड अधिकारी शाहाबाद जिला बारां (राज.)

Signature Not Verified
Digitally signed by Pooja Meena
Date: 2024.02.28 15:49:20 IST
Reason: SelfAttested

CamScanner

न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय
आसपुर

रविकुमार etc v/s किशनलाल वगै.
वाद U/s 88,89,92A,53 राज. काश्त. अधिनियम
दावा सं. 65/22

प्रार्थनापत्र - बाबत प्रकरण पत्रावली पेशी में लीजाकर वाद विड्रा किये जाने बाबत

श्रीमान्,

सविनय निवेदन है कि उक्त उनवानी वाद में आगामी पेशी 02.04.2024 नियत है प्रार्थी वादीगण स्वेच्छा से ही उक्त वाद को अब आगे नहीं चलाना चाहते हैं और विड्रा करना चाहते हैं।

अतः श्रीमान से प्रार्थना है कि प्रकरण पत्रावली पेशी में ली जाकर आज ही विड्रा किये जाने की अनुमति प्रदान कर तदानुसार निस्तारण करने की कृपा करें।

Reader
Pooja
23.2.24

प्रि
23/02/24

प्रार्थी / वादीगण
[illegible] कुमार S/o किशनलाल
रवि [illegible] D/o किशनलाल
[illegible] R/o कलोनी [illegible]
आसपुर

मनीषा

Verified

Signature Not Verified
Digitally signed by Pooja Meena
Date: 2024.02.28 15:49:20 IST
Reason: SelfAttested

CamScanner